सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2024
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि - 19/09/2024

रविवार

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

414073

Paper Code : 31

Sub : Yajurved-I
Paper-I

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।
8. यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।
9.* प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।
10. यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

1. तैत्तिरीय-संहितायाः विभाजनमस्ति –
(1) काण्डम्, कण्डिका, अनुवाकः, मन्त्रः
(2) काण्डम्, प्रपाठकः, कण्डिका, मन्त्रः
(3) काण्डम्, प्रपाठकः, अनुवाकः, मन्त्रः
(4) मण्डलम्, प्रपाठकः, अनुवाकः, मन्त्रः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. ऋग्वेदसायणभाष्यस्य प्रथमखण्डः कदा प्रकाशितः ?
(1) 1845 ई. (2) 1847 ई.
(3) 1849 ई. (4) 1851 ई.
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. अन्तोदात्तः वेदशब्दः कस्य वाचकः ?
(1) वेदग्रन्थस्य वाचकः
(2) दर्भमुष्टिवाचकः
(3) यागवाचकः
(4) पशुवाचकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. 'उद्गाता' इत्यत्र कः प्रत्ययः ?
(1) घञ् (2) अण्
(3) तल् (4) तृच्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. महाभाष्यानुसारं यजुर्वेदस्य शाखाः सन्ति –
(1) 105 (2) 201
(3) 101 (4) 51
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. उव्वटाचार्यस्य भाष्यस्य नाम किमस्ति ?
(1) वेददीपिकाभाष्यम्
(2) मन्त्रभाष्यम्
(3) सारलाभाष्यम्
(4) ब्राह्मणसर्वस्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. देवतानां तृतीयवर्गः वर्तते –
(1) अग्नेः (2) वायोः
(3) सूर्यस्य (4) इन्द्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. ज्ञानयज्ञनामकं भाष्यं कस्यां संहितायां केन व्यरचि ?
(1) भट्टभास्करेण तैत्तिरीयसंहितायाम् ।
(2) हलायुधेन काण्वसंहितायाम् ।
(3) उव्वटेन शुक्लयजुर्वेदसंहितायाम् ।
(4) माधवेन सामसंहितायाम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. काण्वसंहितायां मन्त्राः अनुवाकाश्च क्रमेण सन्ति –
(1) 1975 मन्त्राः 303 अनुवाकाः
(2) 2000 मन्त्राः 300 अनुवाकाः
(3) 2086 मन्त्राः 328 अनुवाकाः
(4) 3000 मन्त्राः 325 अनुवाकाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. पुरुषमेधः कस्मिन्नध्याये शुक्लयजुर्वेदे पठितः ?
(1) 20 तमेऽध्याये
(2) 25 विंशतमेऽध्याये
(3) 30 तमेऽध्याये
(4) 35 तमेऽध्याये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. शुक्लयजुर्वेदसंहितानुगुणं सत्यं नास्ति ।
(1) चतुर्थेऽध्याये अग्निष्टोमः प्राप्येत ।
(2) षोडशेऽध्याये शतरुद्रियहोममन्त्राः सन्ति ।
(3) एतस्योपरि वेददीपभाष्यं नास्ति ।
(4) उव्वटस्य मन्त्रभाष्यं प्राप्यते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. शिवसङ्कल्पसूक्तविषये असत्यं वर्तते ।
(1) अत्र सप्तकण्डिकाः सन्ति ।
(2) सूक्तस्य मनोदेवता वर्तते ।
(3) सर्वासु कण्डिकासु त्रिष्टुपछन्दः वर्तते ।
(4) शुक्लयजुर्वेद चतुस्त्रिंशत्तमेऽध्याये प्राप्येत ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. विकृतिपाठः नास्ति –
(1) जटापाठः (2) मालापाठः
(3) शिखापाठः (4) क्रमपाठः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. इषेत्वा इत्यारभ्य पशून्पाहि इति प्रथमायां कण्डिकायां कियन्तः मन्त्राः प्रयोगाय कथिताः –
(1) द्वौ (2) त्रयः
(3) चत्वारः (4) पञ्च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. 'पितुं न स्तोषम्' इत्यत्र रेखाङ्कितपदं प्रयुज्यते –
(1) सन्तोषाय (2) तुष्टये
(3) स्तोमाय (4) स्तवनाय
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. 'आ ब्रह्मन् ब्राह्मणो' इत्यस्याः कण्डिकायाः देवता वर्तते –
(1) लिङ्गोक्त-देवता (2) भावदेवता
(3) प्रजापतिदेवता (4) पुरुषदेवता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. 'शेषे यजुः शब्दः' लक्षणं वर्तते –
(1) महीधरस्य (2) याज्ञवल्क्यस्य
(3) जैमिनेः (4) यास्कस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. यजुर्वेदविषये असत्यं वर्तते –
(1) एतस्य द्वौ सम्प्रदायौ स्तः ।
(2) आदित्यसम्प्रदायस्य प्रवर्तकः कोऽपि नास्ति ।
(3) अत्र गद्यात्मकमन्त्राः सन्ति ।
(4) याज्ञवल्क्यः शुक्लयजुर्वेदं पञ्चदशशिष्येभ्यः समध्यापयत् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. पुरुषसूक्ते छन्दांसि प्राप्यन्ते –
(1) बृहती एवम् उष्णिक्
(2) अनुष्टुप् एवं त्रिष्टुप्
(3) गायत्री एवं त्रिष्टुप्
(4) त्रिष्टुप् एवम् उष्णिक्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. "तं त्वा शोचिष्ठ दीदिवः सुम्नाय" इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य भावः विद्यते –
(1) सुपुत्राय (2) सुपुष्पाय
(3) सुखाय (4) यज्ञाय
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. 'सातये' इत्यस्य वेददीपभाष्यानुगुणं भावः प्राप्यते –
(1) दानाय (2) यज्ञाय
(3) धनाय (4) कर्मणे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. माध्यन्दिनसंहितायां वाजपेययागप्रकरणेप्रथमो मन्त्रः कोऽस्ति ?
(1) देव सवितः प्रसुव यज्ञं ।
(2) समिधाग्निं ।
(3) अपेतोयन्तो ।
(4) अपो देवाः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. प्रणीतास्थापनं 'कस्त्वा युनक्ति' मन्त्रेण कुत्र स्थाप्यते ?
(1) गार्हपत्यस्य उत्तरभागे
(2) गार्हपत्यस्य दक्षिणभागे
(3) आहवनीयस्य उत्तरभागे
(4) आहवनीयस्य दक्षिणभागे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. षडौद्ग्रभणहोममन्त्रेषु तृतीयः वर्तते –
(1) आकूत्यै प्रयुजेऽग्नये स्वाहा
(2) दीक्षायै तपसेऽग्नये स्वाहा
(3) मेधायै मनसेऽग्नये स्वाहा
(4) सरस्वत्यै पूष्णेऽग्नये स्वाहा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. कृष्णयजुर्वेदस्य शाखा नास्ति :
(1) तैत्तिरीयशाखा (2) कठशाखा
(3) काण्वशाखा (4) मैत्रायणीयशाखा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. उचितमेलनं नास्ति –
(1) रिषति – हिंसाकर्मा
(2) परिवृणक्तु – त्यागार्थे
(3) विशल्यः – सफलार्थे
(4) निशीर्य – हिंसायाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. वाजपेयानुगुणं केतपूः वर्तते –
(1) अग्निः (2) वरुणः
(3) सूर्यः (4) इन्द्रः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. "अघ्न्या इन्द्राय भागम्" इत्यत्र "अघ्न्या" पदेन कस्य बोधो भवति ?
(1) गवाम्
(2) अश्वानाम्
(3) सोमवल्लीनाम्
(4) यजमान–पत्नीनाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. "पुरा क्रुरस्येति" मन्त्रस्य देवता वर्तते –
(1) सूर्यः (2) चन्द्रः
(3) गौः (4) पृथिवी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. 'वसोः पवित्रमसि' इत्यत्र वसु शब्देन कोऽर्थः अभीष्टः ?
(1) अष्टवसुः
(2) धनम्
(3) यज्ञः
(4) कुशः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. सौत्रामणीप्रकरणानुगुणं तोक्माः भवन्ति
(1) विरुढाव्रीहयः (2) विरूढायवाः
(3) भृष्टव्रीहयः (4) भृष्टयवाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. 'अस्तं प्रेत' इति पदस्य कोऽर्थः ?
(1) वनं गच्छत ।
(2) प्रेतलोकं गच्छत ।
(3) स्वर्गं गच्छत ।
(4) गृहान् गच्छत ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. 'अयं ते योनिर्ऋत्वियो यतो जातः' इत्यत्र अयं पदेन कस्य ग्रहणं विहितम् ?
(1) मार्गविशेषस्य
(2) आहवनीयस्य
(3) गार्हपत्यस्य
(4) भगस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. वाक् कस्मै धीयते ?
(1) व्याख्यानाय
(2) पतङ्गाय
(3) कूर्माय
(4) ज्ञानाय
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. 'प्रियेण धाम्ना प्रियं सद आसीद' इत्यत्र प्रियधाम शब्देन किं प्रोक्तम् ?
(1) आज्यम्
(2) मित्रम्
(3) प्रियवचनम्
(4) प्रियं तीर्थधाम
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. अक्षन्नमीमदन्त ह्यवप्रिया ...... इति मन्त्रेण श्रोते किं कर्म भवति ?
(1) अक्षतान् समर्पयति
(2) गार्हपत्यमुपतिष्ठते
(3) आहवनीयमुपतिष्ठते
(4) नमस्करोति देवान्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. 'महीनां पयोसि' इति पदेन किं बुध्यते ?

(1) पृथिव्याः रसः ।

(2) पर्वतस्य जलम् ।

(3) वृक्षस्य रसः ।

(4) गवां दुग्धम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. 'तपसस्तनूरसि प्रजापतेर्वर्णः' इति विशेषणं कस्य कृते प्रयुक्तम् ?

(1) सूर्यस्य

(2) चन्द्रस्य

(3) अजायाः

(4) यजमानस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. सिंह्यसि सपत्नसाही देवेभ्यः । इति मन्त्रांशे 'सपत्नसाही' पदं कस्मिन्नर्थे प्रयुक्तम् ?

(1) शत्रूणामभिभवित्री

(2) सज्जनानामुत्साहप्रदात्री

(3) ज्ञानिनां बोधयित्री

(4) दानवानां धनदात्री

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. 'यस्ते द्रप्सः स्कन्दति यस्ते अंशुग्रावच्युतो धिषणयः' इति मन्त्रेण सोमयागे किं कर्म भवति ?

(1) सोमेन होमः ।

(2) हविषा होमः ।

(3) पयसा होमः ।

(4) धृतेन विप्रुट् होमः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. अग्निष्टोममन्त्राणामृषिः कः ?

(1) प्रजापतिः

(2) मधुच्छन्दा

(3) विश्वामित्रः

(4) दिवोदासः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. प्रधानयागधर्मे क्रमः भवति –

(1) अनुवाक्या – वषट्कारः – याज्या

(2) वषट्कार – याज्या – अनुवाक्या

(3) अनुवाक्या – याज्या – वषट्कारः

(4) याज्या – वषट्कारः – अनुवाक्या

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. पञ्चव्याहृतिषु तृतीया वर्तते –

(1) ओ ! श्रावय । (2) अस्तु श्रौषट् ।

(3) ये यजामहे । (4) यज ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. वज्रप्रहारात् केनांशेन स्फ्यः उत्पन्नः ?

(1) प्रथमांशेन (2) द्वितीयांशेन

(3) तृतीयांशेन (4) चतुर्थांशेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. उपवेषः केन काष्ठेन निर्मीयते ?

(1) पलाशेन (2) खादिरेण

(3) वैकङ्कतेन (4) उदुम्बरेण

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. 'देवेभ्यः शुन्धध्वम्' इत्यनेन क्रियते –

(1) पवित्रीकरणम् (2) फलीकरणम्

(3) प्रोक्षणम् (4) आचमनम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. पात्रासादनस्य असमीचीन–युग्मं वर्तते –

(1) उलूखलम् – मुसलम्

(2) शम्या – कृष्णाजिनम्

(3) दृषत् – उपलम्

(4) शूर्पम् – स्फ्यः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. पत्नीसंयाजक्रमे अनुचितवचनं वर्तते ?

(1) अध्वर्युः जुहूं स्रुवं च आदत्ते ।

(2) होता वेदं स्वीकरोति ।

(3) पत्नीसंयाजाय दक्षिणाग्निपार्श्वे गमनमनिवार्यम् ।

(4) आग्नीध्रः आज्यविलापनीं स्वीकरोति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. 'इदमहं यऽएवास्मि सोऽस्मि' इत्यस्य वचनस्य प्रयोगः प्राप्यते –

(1) व्रतग्रहणकाले
(2) व्रताचरणकाले
(3) व्रतविसर्गकाले
(4) प्रधानयागकाले
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. सामवेदीयेषु उपलब्धब्राह्मणेषु नास्ति –

(1) शाट्यायनब्राह्मणम्
(2) षड्विंशब्राह्मणम्
(3) वंशब्राह्मणम्
(4) आर्षेयब्राह्मणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. 'कर्मचोदना ब्राह्मणानि। ब्राह्मणशेषोऽर्थवादः' वचनं प्राप्यते –

(1) जैमिनिसूत्रेषु
(2) आपस्तम्बपरिभाषायाम्
(3) आपस्तम्बश्रौतसूत्रे
(4) निरुक्ते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. माध्यन्दिनशतपथब्राह्मणे आदौ प्राप्यते –

(1) आधानम्
(2) अग्निहोत्रम्
(3) सोमयागः
(4) दर्शपूर्णमासेष्टिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. "पिष्टसंयवनार्थम्" आपः भवन्ति ।

(1) अग्निहोत्रहवणीस्थापः ।
(2) उपसर्जनी ।
(3) प्रणीतास्थापः ।
(4) प्रोक्षणीस्थापः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. "________ वा इडा ।" रिक्तस्थानं पूरयतु –

(1) ब्रह्मा
(2) विष्णुः
(3) पशवः
(4) आयुः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. पिण्डपितृयज्ञः अनुष्ठीयते ।

(1) शुक्लप्रतिपदि
(2) कृष्णप्रतिपदि
(3) अमायाम्
(4) पूर्णिमायाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. ब्राह्मणग्रन्थे स्वरः कः प्रोक्तः ?

(1) भाषिकस्वरौ
(2) अनुदात्तस्वरितौ
(3) उदात्तः स्वरितश्च
(4) सप्त स्वराः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. ब्राह्मणस्य विषयः कः नास्ति ?

(1) उपमानम् (2) पुराकल्पः
(3) संशयः (4) घनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. ब्राह्मणस्य विषये विचार्यताम् –

क. ग्रन्थवाचकः ब्राह्मणशब्दः पुल्लिङ्गे भवति ।
ख. ग्रन्थवाचकः ब्राह्मणशब्दः स्त्रीलिङ्गे भवति ।
ग. ग्रन्थवाचकः ब्राह्मणशब्दः नपुंसकलिङ्गे भवति ।
घ. ब्रह्मन् + अण् इत्यनेन ब्राह्मणमिति पदं निष्पद्यते ।

(1) क एवं ख सत्यम् ।
(2) ख एवं ग सत्यम् ।
(3) क, ख एवं घ सत्यम् ।
(4) ग एवं घ सत्यम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. मित्रः वरुणः धाता अर्यमा अंशः भगः इन्द्रः विवस्वान्–इमे कस्य पुत्राः सन्ति ?
(1) अदितेः (2) दितेः
(3) उषसः (4) अप्सरसः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. "द्वयं वा इदन्न तृतीयमस्ति" अनेन कस्य बोधः भवति ?
(1) पृथिवी, आकाशः
(2) जलम्, स्थलम्
(3) पुरुषः, स्त्री
(4) सत्यम्, अनृतम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. 'वेदार्थप्रकाशः' नामकं भाष्यं शतपथे केन व्यरचि ?
(1) गणेशशास्त्रिणा
(2) नीलकण्ठेन
(3) वासुदेवेन
(4) सायणेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. "अनशनमेव" व्रतं केन प्रोक्तम् ?
(1) भाल्लविना
(2) वैजवापेन
(3) सावयसअषाढेन
(4) याज्ञवल्क्येन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. अधस्तनेषु कस्य द्वन्द्वं समीचनं नास्ति ?
(1) शूर्पम् अग्निहोत्रहवणीम्
(2) दृषदुपले
(3) उलूखलमुसले
(4) स्फ्यं कृष्णाजिनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. काण्वशतपथस्य प्रथमं काण्डं भवति –
(1) हविर्यज्ञकाण्डम् (2) एकपात्काण्डम्
(3) राजसूयकाण्डम् (4) चितिकाण्डम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. पवित्रे कुत्र भवतः ?
(1) परिधिषु
(2) आज्येषु
(3) प्रणीतासु
(4) प्रोक्षणीषु
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. ब्राह्मणो हि रक्षसामपहन्ता तस्मादभिनिहित एव सव्येन पाणिना भवति । अत्र 'अभिनिहितः' पदं कस्मिन्नर्थे ?
(1) संस्पृष्टः
(2) मुष्टिबद्धः
(3) कुशहस्तः
(4) स्फ्यः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. 'प्रवोवाजा अभिद्यव' इति प्रथमो मन्त्रः कस्मिन् कर्मणि प्रयुज्यते ?
(1) सामिधेन्याम्
(2) प्रयाजकर्मणि
(3) अनुयाजकर्मणि
(4) पूर्णाहुत्याम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. दर्शपौर्णमासभागस्य का दक्षिणा भवति ?
(1) ग्रामः
(2) सुवर्णम्
(3) अन्वाहार्यः
(4) अश्वः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. शम्यायाः उपधानं कुत्र कथं च भवति ?
(1) दृषदः पूर्वभागे पूर्वाग्राम् ।
(2) दृषदः पश्चाद्भागे उदीचीनाग्राम् ।
(3) दृषदः उत्तरभागे दक्षिणाग्राम् ।
(4) दृषदः दक्षिणभागे पूर्वाग्राम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. प्रस्तरः भवति –
(1) पाषाणखण्डम् ।
(2) नीवारमुतिरः ।
(3) दर्भमुतिरः ।
(4) उलूखलम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. 'अरण्याध्ययनादेतदारण्यकमितीर्यते' – वचनमस्ति –
(1) अरविन्दस्य
(2) शङ्कराचार्यस्य
(3) सायणाचार्यस्य
(4) महीधरस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. "रथं सहस्रवन्धुरं । पुरुषश्चक्रं सहस्राश्वम्" इति कस्यारण्यकस्याऽस्ति ?
(1) बृहदारण्यकस्य
(2) मैत्रायणीआरण्यकस्य
(3) ऐतरेयआरण्यकस्य
(4) तैत्तरीयआरण्यकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. आरण्यकपदे प्रत्ययः कस्मिन् अर्थे अस्ति ?
(1) सम्बन्धार्थे
(2) भावार्थे
(3) अपत्यार्थे
(4) समूहार्थे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. अन्वाहार्यस्य पचनं कुत्र भवति ?
(1) आहवनीयाग्नौ यदोदनं सम्पाद्यते
(2) गार्हपत्याग्नौ यदोदनं सम्पाद्यते
(3) दक्षिणाग्नौ यदोदनं सम्पाद्यते
(4) सम्याग्नौ यदोदनं सम्पाद्यते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. श्मशान–साधना प्राप्यते –
(1) शांखायनारण्यके
(2) तलवकारारण्यके
(3) ऐतरेयारण्यके
(4) बृहदारण्यके
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. बृहदारण्यकविषये असत्यं वर्तते –
(1) प्राणब्रह्मणः अष्टौभेदाः सन्ति ।
(2) याज्ञवल्क्य–आरुणि–संवादः प्राप्यते ।
(3) वाग्ज्योतिप्रतिपादनं प्राप्यते ।
(4) गायत्र्युपासना न प्राप्यते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. पञ्च–ज्योतिषु नास्ति –
(1) आदित्यज्योतिः
(2) वायुज्योतिः
(3) चन्द्रज्योतिः
(4) अग्निज्योतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. बृहदारण्यके आदौ प्राप्यते –
(1) अश्वमेधः
(2) राजसूयः
(3) वाजपेयः
(4) सौत्रामणी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. आरण्यकानाम् उचितमेलनं चिनुत –
(1) ऐतरेयारण्यकम् – सामवेदः
(2) बृहदारण्यकम् – ऋग्वेदः
(3) तैत्तिरीयारण्यकम् – कृष्णयजुर्वेदः
(4) तलवकारारण्यकम् – अथर्ववेदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. बृहदारण्यकदिशा असत्यं वर्तते –
(1) भूतानां रसः – पृथिवी
(2) पृथिव्याः रसः – आपः
(3) अपां रसः – ओषधयः
(4) ओषधीनां रसः – फलानि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. याज्ञवल्क्यमैत्रेयी संवादे सर्वान् आत्मरूपग्रहणे षष्ठः दृष्टान्तः वर्तते ।
(1) वीणायाः
(2) सैन्धवघनस्य
(3) दुन्दुभेः
(4) शंखस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. आत्मनः स्थानानि सन्ति –
(1) एकम्
(2) द्वे
(3) त्रीणि
(4) चत्वारि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. प्रस्तावसमये कः मन्त्रः प्रयुज्यते ?
उचितमन्त्रं चिनुत ।
(1) असतो मा सद्गमय ।
(2) हिरण्मयेन पात्रेण ।
(3) ईशावास्यमिदम् ।
(4) कुर्वन्नेवेह कर्म्माणि ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. बृहदारण्यकानुगुणं प्रजापतेः पुत्राः कति प्रकाराः आसन् ?
(1) एकः
(2) द्वौ
(3) त्रयः
(4) एकादश
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. कथमारण्यकमुच्यते –
(1) अरण्ये रोदनत्वादारण्यकम् ।
(2) अरण्ये पाठ्यत्वादारण्यकम् ।
(3) शरीरारण्ये कामानां वासत्वात् आरण्यकम् ।
(4) अरण्ये भ्रमणत्वादारण्यकम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. बृहदारण्यकस्य शान्तिपाठो भवति ?
(1) ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदम् ।
(2) ॐ द्यौः शान्तिः ।
(3) ॐ आप्यायन्तु ममाङ्गानि ।
(4) ॐ भद्रं कर्णेभिः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. देवाः मनुष्याः, असुराः त्रयः प्राजापत्याः । एतेषां कृते 'द' इत्यक्षरं ददौ प्रजापति क्रमेण द पदस्य कोऽर्थः ?
(1) दयध्वम्, दत्त, दाम्यत ।
(2) दत्त, दयध्वम्, दाम्यत ।
(3) दाम्यत, दत्त, दयध्वम् ।
(4) देहि, दृष्टः, दानम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. महत्वप्राप्तये किं नामध्येयं कर्म प्रारम्भ्यते ?
(1) चातुर्मास्ययागः प्रारम्भ्यते ।
(2) यज्ञ कर्म प्रारम्भ्यते ।
(3) अग्निहोत्रकर्म प्रारम्भ्यते ।
(4) मन्थसंज्ञककर्म प्रारम्भ्यते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. स वै ________ एव प्रथमामत्यवहत्सा यदा मृत्युमत्यमुच्यत ।
(1) चक्षुः
(2) वाचम्
(3) श्रोत्रम्
(4) मनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. सोष्यन्ती कर्म किं भवति ?
(1) सुखेन सोमाहरणं कर्म
(2) सुखेन प्रसवार्थं कर्म
(3) सुखेन सामगायनं कर्म
(4) सुखेन शयनार्थं कर्म
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. याज्ञवल्क्यः 'मूर्द्धा ते विपतिष्यति इति' शापं कस्मै ददौ तथा तस्य मूर्द्धा विपपात ?
(1) गौतमाय
(2) जनकाय
(3) शाकल्याय
(4) सत्यकामाय
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. 'तद्यथा' पेशस्कारी पेशसो मात्रामपादाय' इत्यत्र पेशस्कारी पदस्य कोऽर्थः ?
(1) कुम्भकारः
(2) सुवर्णकारः
(3) ग्रन्थकारः
(4) सर्वकारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. 'तद्यथाऽहिनिर्ल्वयनी वल्मीके मृता प्रत्यस्ता शयीत । इत्यत्र – 'अहिनिर्ल्वयनी' पदस्य कोऽर्थः ?
(1) अहिल्या ।
(2) अहश्चरात्रिश्च ।
(3) अंहः ।
(4) सर्पस्य त्वक् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. मलवद्वासाः स्त्री भवति –
(1) त्याज्या
(2) निन्दनीया
(3) अस्पृश्या
(4) श्रीर्युता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. प्रत्यक्षद्विषः के च परोक्षप्रियाः ?
(1) असुराः
(2) मनुष्याः
(3) देवाः
(4) गन्धर्वाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. त्रयोलोकाः ख्याताः तत्र अयं भूर्लोकः किम् ?
(1) मनः
(2) प्राणः
(3) वाक्
(4) चक्षुः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. देवाः पितरोः मनुष्याः एतेषु मनुष्याः कः प्रोक्तः ?
(1) प्राणः
(2) वाक्
(3) मनः
(4) आकाशः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. पिता–माता प्रजा एतेषु माता भवति –
(1) वाक्
(2) मनः
(3) प्राणः
(4) गृहम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. कामः संकल्पः विचिकित्सा श्रद्धाऽश्रद्धाधृतिरधृति इति एतेषां ज्ञानं भवति केन ?
(1) मनसा
(2) वाचा
(3) ईश्वरेण
(4) चक्षुषा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. 'उपनिषद्' इत्यत्र प्रत्ययः विद्यते –
(1) क्विप् (2) क्विन्
(3) विच् (4) विन्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. याज्ञवल्क्यस्य द्वे भार्ये के स्तः ?
(1) गौतमी, सार्पराज्ञी च
(2) माण्डवी, वेदिका च
(3) मैत्रेयी, कात्यायनी च
(4) गार्गी, अपाला च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. 'सर्वोपनिषदां मध्ये सारमष्टोत्तरं शतम् ।
सकृच्छ्रवणमात्रेण सर्वाघौघनिकृन्तनम् ।।' वचनमिदं प्राप्यते –
(1) मुण्डकोपनिषदि
(2) मुक्तिकोपनिषदि
(3) कठोपनिषदि
(4) माण्डूक्योपनिषदि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. मुक्तिकोपनिषदनुगुणम् उपनिषदां संख्या अस्ति –
(1) 108
(2) 188
(3) 200
(4) 220
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. मन्त्रोपनिषद्रूपेण प्रसिद्धः ग्रन्थः वर्तते –
(1) कठोपनिषद्
(2) ईशावास्योपनिषद्
(3) बृहदारण्यकोपनिषद्
(4) ऐतरेयोपनिषद्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. एतस्य प्राणस्य शरीरं किं ?
(1) धनम् (2) आपः
(3) इन्द्रियाणि (4) पुत्रः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. अधुना शुक्लयजुर्वेदस्य उपलब्धशाख्योः नामसाम्यदृष्ट्या उपनिषदां संख्या वर्तते –
(1) एका
(2) द्वे
(3) तिस्रः
(4) चतस्रः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. 'अनेजदेकं मनसो जवीयो' इत्यनेन प्रतिपाद्यते –
(1) अज्ञानस्य स्वरूपम्
(2) मनसः स्वरूपम्
(3) अभेदान्वयः
(4) आत्मनः स्वरूपम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. आत्मतत्त्वविषये असत्यं वर्तते –
(1) तदु न अन्तिके ।
(2) तद्दूरे ।
(3) तन्नैजति ।
(4) तदेजति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. कर्मणा प्राप्यते –
(1) देवलोकः
(2) पितृलोकः
(3) द्युलोकः
(4) मृत्युलोकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. ईशावास्योपनिषदि कर्मनिष्ठोपदेशः प्राप्यते –
(1) द्वितीयकण्डिकायाम्
(2) तृतीयकण्डिकायाम्
(3) चतुर्थकण्डिकायाम्
(4) पञ्चमकण्डिकायाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. आत्महननदोषेण युक्ताः गच्छन्ति ।
(1) असुर्या (लोकम्)
(2) मृत्युलोकम् ।
(3) स्वर्गलोकम् ।
(4) पितृलोकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. कर्मविधेः सम्बद्धा कण्डिका विद्यते ?
(1) ईशावास्यमिदम् ।
(2) कुर्व्वनेवेह ।
(3) अनेजदेकम् ।
(4) यस्तु सर्वाणि ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. 'ईशावास्यमिदम्' इत्यनया कण्डिकया ज्ञायते –
(1) सर्वत्र भगवद्दृष्टिः
(2) कर्मविधिः ।
(3) कर्मफलम् ।
(4) जगतः स्वरूपम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. कीदृशानि कर्माणि कुर्वन् जिजीविषेत् ?
(1) शास्त्रसम्मतानि
(2) नित्यकर्माणि
(3) काम्यकर्माणि
(4) नैमित्तिक कर्माणि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. 'अन्धन्तमः' इत्यस्याः कण्डिकायाः विषये असत्यं वर्तते –
क. अत्र असम्भूतिविषये ज्ञापितः ।
ख. अत्र सम्भूतिविषये ज्ञापितः ।
ग. सम्भूतिविषयेन सह असम्भूतिविषये अपि ज्ञापितः ।
घ. विद्याविद्ययोः विषये ज्ञापितः ।
(1) क एवं ख (2) क, ख एवं ग
(3) केवल घ (4) ग एवं घ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. "आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः" इति कः कथयति ?
(1) गार्गी
(2) मैत्रेयी
(3) आरुणिकः
(4) याज्ञवल्क्यः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. 'देवाश्चासुराश्च प्राजापत्याः ।' तयोः कनीयसाः के ?
(1) देवाः
(2) असुराः
(3) प्रजापतयः
(4) देवासुराः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. 'विद्याञ्चाविद्याञ्च यस्तद्वेदोभयं च सह' प्रस्तुतमन्त्रांशे प्रयुक्तं 'वेद' इति पदमस्ति –
(1) कर्ता
(2) क्रिया
(3) कर्म
(4) विशेषणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. 'बृहदारण्यकोपनिषद्' कस्य ग्रन्थस्य भागो वर्तते ?
(1) यजुर्वेदस्य
(2) शतपथब्राह्मणस्य
(3) गोपथब्राह्मणस्य
(4) ऐतरेयारण्यकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. 'उपनिषादयति सर्वानर्थकरं संसारं विनाशयति ________'
उपनिषदः व्युत्पतिरियं केन प्रदत्ता ?
(1) शंकराचार्येण
(2) स्कन्दस्वामिना
(3) दयानन्देन
(4) सायणेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. 'ईशा' इत्यत्र का विभक्तिः ?

(1) प्रथमा (2) द्वितीया

(3) तृतीया (4) चतुर्थी

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. नाचिकेतमुपाख्यानं केन प्रोक्तम् ?

(1) वाजश्रवसा (2) वैश्वानरेण

(3) मृत्युना (4) यज्ञवचसा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. 'न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यः' कस्यामुपनिषदि वचनमेतत् ?

(1) ईशोपनिषदि

(2) मुण्डकोपनिषदि

(3) कठोपनिषदि

(4) केनोपनिषदि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. अश्वस्य मेध्यस्य शिरः कः ?

(1) उषा

(2) अग्निः

(3) वरुणः

(4) जलम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. "अन्नं न निन्द्यात् । अन्नं न परिचक्षीत । अन्नं बहुकुर्वीत" इत्यादीनि कुत्र उपलभ्यन्ते ?

(1) बृहदारण्यकोपनिषदि

(2) कठोपनिषदि

(3) तैतिरीयोपनिषदि

(4) छान्दोग्योपनिषदि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. आत्मनः विशेषणमस्ति –

(1) नित्यः (2) सर्वदा

(3) शीघ्रः (4) अजा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. 'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः इत्यत्र प्रयुक्तस्य 'भुञ्जीथा' इत्यस्य पदस्यार्थोऽस्ति' –

(1) जानीथाः (2) लभेथाः

(3) पालयेथाः (4) खादयेथाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. सर्वेषां भूतानां मधु किं भवति ?

(1) आकाशः

(2) पृथिवी

(3) मनुष्यः

(4) जलम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. मुक्तिकोपनिषद्दिशा मेलनं कुरुत –

	सूचि-I (वेदः)		सूचि-II (उपनिषत्संख्या)
A.	ऋग्वेद	i.	19
B.	शुक्लयजुर्वेदः	ii.	10
C.	सामवेदः	iii.	31
D.	अथर्ववेद	iv.	16

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनं चिनुत –

	A	B	C	D
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	i	iv	iii
(3)	iii	iv	i	ii
(4)	iv	iii	ii	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. 'उषा वा अश्वस्य' मन्त्रांशेनानेन का उपनिषद् प्रारभ्यते ?

(1) कठोपनिषद्

(2) बृहदारण्यकोपनिद्

(3) केनोपनिषद्

(4) प्रश्नोपनिषद्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. माध्यन्दिनसंहितायां पितृमेधः कस्मिन्नाध्याये वर्णितः अस्ति ?
(1) त्रिंशाध्याये (2) एकत्रिंशाध्याये
(3) पंचत्रिंशाध्याये (4) द्वात्रिंशाध्याये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. वेदविषये असत्यं विद्यते ?
(1) एषः अपौरुषेयः ।
(2) मन्त्रब्राह्मणयोः वेदसंज्ञा भवति ।
(3) वेदव्यासेन वेदानां विभागः कृतः ।
(4) वेदाः अनिष्टसाधकाः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. "प्रयोगसमवेतार्थस्मारकाः मन्त्राः" लक्षणमिदं वर्तते –
(1) आपस्तम्बस्य (2) शतपथब्राह्मणस्य
(3) निरुक्तस्य (4) अर्थसंग्रहस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. छन्दसां देवता–स्वर–वर्ण–ऋषिविषयकः समूहे विचार्यताम् –
क. गायत्रीः – अग्निः – षड्जः – श्वेतः अग्निवेश्यः
ख. त्रिष्टुप्ः – इन्द्रः – धैवतः – रक्तः – कौशिकः
ग. अनुष्टुप्ः – सोमः – गान्धारः – पीतः काश्यपः
घ. जगतीः – विश्वेदेव – निषाद – शुद्धश्वेतः – भार्गवः
उपर्युक्तानुसारम् उचितसमूहः नास्ति –
(1) क, ख एवं ग (2) ख, ग एवं घ
(3) क एवं ख (4) ग एवं घ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. "इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारयोः लौकिकमुपायं यो ग्रन्थो वेदयति स वेदः" वेदलक्षणमिदं कस्य वर्तते ?
(1) वेङ्कटमाधवस्य (2) उवटस्य
(3) दयानन्दस्य (4) सायणस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. 'विद्यन्ते ज्ञायन्ते लभ्यन्ते वा एभिर्धर्मादि पुरुषार्था इति वेदाः' – वचनमिदं विद्यते –
(1) सायणस्य
(2) लौगाक्षिभास्करस्य
(3) विष्णुमित्रस्य
(4) कात्यायनस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. अग्नेः संज्ञा भूलोके वर्तते ?
(1) वनस्पतिः
(2) पवमानः
(3) शुचिः
(4) वैश्वानरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. त्रयो वेदा अजायन्त ऋग्वेद एवाग्नेरजायत यजुर्वेदो वायोः सामवेद आदित्यात् तान् वेदानभ्यपतत् वचनमस्ति
(1) छान्दोग्यब्राह्मणस्य
(2) ऐतरेयब्राह्मणस्य
(3) तैत्तिरीयब्राह्मणस्य
(4) शतपथब्राह्मणस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. याकोबी–महोदयानुसारम् ऋग्वेदस्य कालो वर्तते –
(1) ई.पू. ३०००
(2) ई.पू. ३५००
(3) ई.पू. ४०००
(4) ई.पू. ४५००
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. दर्शपूर्णमासमन्त्राणां ऋषिः कः ?
(1) गौतमः
(2) परमेष्ठी प्रजापतिः
(3) बृहस्पतिः
(4) यवमान्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. 'वबर ! प्रावाहणिरकामयत' इत्यस्य निराकरणाय सूत्रं प्राप्यते

(1) परं तु श्रुतिसामान्यमात्रम्
(2) कृते चाविनियोगः स्यात् कर्मणः समत्वात्
(3) वेदांश्चैके सन्निकर्ष पुरुषाख्या
(4) अन्त्ययोर्यथोक्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. 'ओषधे त्रायस्वैनम्' उदारणानेन प्राप्तशङ्कायाः निराकरणं सूत्रेण प्राप्यते –

(1) बुद्धशास्त्रात्
(2) अभिमानिव्यपदेशस्तु
(3) तदर्थशास्त्रात्
(4) वाक्यनियमात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. 'वाचा विरूपनित्यया' मन्त्राशोऽयं किं द्योतयति ?

(1) वेदस्यापौरुषेयत्वम्
(2) वेदस्य पौरुषेयत्वम्
(3) वेदस्यापौरुषेयत्वं पौरुषेयत्वञ्च
(4) वेदस्य अनित्यत्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. वेदस्य तदीयज्ञानेन सह कः सम्बन्धः ?

(1) प्रतिपाद्यप्रतिपादकभावः
(2) जन्यजनकभावः
(3) उपकार्योपकारभावः
(4) अङ्गाङ्गिभावः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. यजुर्वेदस्य पाश्चात्यभाष्यकाराणां विषये सत्यं नास्ति –

(1) आर.टी.एच. ग्रिफिथेन अथर्ववेदस्य पद्यानुवादः कृतः ।
(2) श्रोदेरेण मैत्रायणीसंहितायाः सम्पादनं कृतम् ।
(3) राबर्ट डी. नोबिली एक : EZOURVEIDAM इत्याख्यः ग्रन्थः प्रणीतवान् ।
(4) वेबरेण वाजसनेयसंहितायाः नवम-दशमाध्याययोः ग्रीकभाषायाम् अनुवादः कृतः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. यावतीर्वै देवतास्ताः सर्वा वेदविदि ब्राह्मणे वसन्ति – वचनमिदं प्रसङ्गसम्बद्धं वर्तते –

(1) वेदार्थज्ञस्य प्रशंसा
(2) वेदार्थज्ञस्य निन्दा
(3) वेदार्थज्ञान–विहीनस्य प्रशंसा
(4) वेदार्थज्ञान–विहीनस्य निन्दा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. 'विदन्ति जानन्ति विद्यन्ते भवन्ति ....' वेदस्य व्युत्पत्तिरियं केन प्रदत्ता ?

(1) स्वामिना दयानन्देन
(2) सायणेन
(3) उवटेन
(4) यास्केन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. "प्रत्यक्षेणानुमित्या वा" ऋग्वेदभाष्यभूमिकायां प्रकरणे प्राप्यते

(1) वेदार्थज्ञानप्रशंसा अज्ञाननिन्दा च
(2) वेदाङ्गनि
(3) अनुबन्ध–चतुष्ट्यनिरूपगम्
(4) वेदाध्ययनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. वेंकटमाधवस्य विषये सत्यं नास्ति –

(1) पितुर्नाम माधव आसीत् ।
(2) ऋग्वेदस्योपरि भाष्यं प्राप्यते ।
(3) कौशिकगोत्रीयः आसीत् ।
(4) गोमान् ग्रामस्य निवासी आसीत् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. प्रतीकात्मिकाध्यात्मिका पद्धतिः आसीत्

(1) सायणस्य
(2) यास्कस्य
(3) आनन्दकुमारस्वामिनः
(4) अरविन्दस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK